CHAPTER 1

1. आत्मपरिचय

2. एक गीत

PAGE 08, प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ

12:1:1:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ: 1

कविता एक ओर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात करती है और दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ- विपरीत से लगते इन कथनों का क्या आशय है?

<u>उत्तर</u>: ये दोनों पंक्तियाँ विरोधाभास प्रतीत होती है परन्तु ये दोनों एक दूसरे की पूरक है। कवि कहते है की उन्होंने जग की बातो का कभी ध्यान किया है। इसका अर्थ है की वे लोगो की बातो पर ध्यान नहीं देते है। दूसरी पंक्ति का अर्थ है की समाज की समस्याओं पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कवि कहना चाहते है उनका ध्यान निरर्थक बातो पर नहीं अपितु समाज की मूल समस्यायों पर है।

12:1:1:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेसाथ :2

जहाँ पर दाना रहते हैं , वहीं नादान भी होते हैं - कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा?

<u>उत्तर</u>: "बच्चन" के इस कथन का अर्थ यह है कि संसार मायाजाल में मुर्ख व्यक्ति फंस जाता है। मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृति यही है की उसे ज्ञात है की यह मायाजाल है फिर भी इसमें उलझा रहता है। ऐसे लोग भी है जो मोक्ष के रास्ते पर चलते जा रहे है। कहने का अर्थ यह की इस संसार में मुर्ख और विवेकशील दोनों प्रकार के व्यक्ति है।

12:1:1:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ :3

मैं और, और जग और कहाँ का नाता - पंक्ति में और **शब्द की विशेषता बताइए।**

<u>उत्तर</u>: बच्चन जी ने तीन बार "और" शब्द का प्रयोग किया है। अर्थात यह यमक अलंकार है। पहले "और" का प्रयोग कवि

स्वाम को आम आदमी से अलग करने के लिए करते है। दूसरी बार " और" शब्द का प्रयोग संसार की विशिष्टता बताने के लिए करते है। तीसरे "और का प्रयोग संसार और कवी केबीच कोई सम्बन्ध नहीं यह बात सिद्ध करने के लिए किया गया है। हैं।

12:1:1:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेसाथ :4

शीतल वाणी में आग- के होने का क्या अभिप्राय है?

<u>उत्तर</u>: यहां पर बच्चन जी विरोधभास अलंकार का प्रयोग करते है। वह कहते है की इस सामाजिक व्यवस्था से वह असंतुष्ट है परन्तु उनकी वाणी शीतल है। जबकि उनके अंदर विद्रोह भरा हुआ है। वे इस प्रेमरहित संसार को स्वीकार नहीं कर सकते है।

12:1:1:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेसाथ :5

बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे?

<u>उत्तर</u>: पक्षियों के बचे इस आशा में नीड़ों से झांकते रहते है की उनके माता पिता दाना लेकर आएंगे और उनका पेट भरेंगे। इसके अतिरिक्त उन्हें अपने माता पिता से स्नेह प्राप्त होगा।

12:1:1:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेसाथ :6

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है - की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है?

<u>उत्तर</u>: "दिन जल्दी गिर जाता है" की आवृत्ति के साथ, यह प्रतीत होता है कि लक्ष्य की ओर बढ़ने वाले व्यक्ति को समय बीतने का पता नहीं है। पथिक लक्ष्य तक पहुँचने के लिए उत्सुक होता है। इस पंक्ति की आवृत्ति समय की निरंतरता को भी बढ़ने की प्रवृत्ति को दर्शाती है। बिना रुके और बिना किसी का इंतजार किए समय आगे बढ़ता रहता है। इसलिए, प्रत्येक प्राणी के लिए स्वयं को गति देना बहुत महत्वपूर्ण है।

PAGE 08, अभ्यास - कविताकेआसपास

12:1:1:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेआसपास :1

संसार में कष्टों को सहते हुए भी खुशी और मस्ती का माहौल कैसे पैदा किया जा सकता है?

<u>उत्तर</u>: मनुष्य का जीवन कई प्रकार के कष्टों से भरा है, उसे कई प्रकार के कष्टों का सामना करना पड़ता है। मनुष्य की नियति ही कष्ट भुगतना है। क्योंकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, इसलिए वह हर रिश्ते को निभाता है, तभी दुख होता है। मनुष्य को दुःख से परेशान नहीं होना चाहिए, सुख और दुःख समय के चक्र के साथ आते रहते हैं। जहां पर दुख के बिना सुख की सच्ची भावना पाई जा सकती है। इसलिए संतुलित और सकारात्मक रवैया अपनाकर जीवन को हँसमुख बनाना चाहिए। लगातार सक्रियता भी कष्टों को भूलने में मदद करती है।